BA - 2
Paper - 3
Geography of India & Bihar

(LECTURE - 1)

बिहार : प्राकृतिक प्रदेश

Vishal
V.S.J. College

सामान्यतः बिहार प्रदेश को एक मैदानी भू-भाग के रूप में ही जाना जाता है। परन्तु बिहार के प्राकृतिक प्रदेश पर्वतीय श्रेणी तथा पठार को भी सम्मिलित करता है। बिहार के उ०प० भाग में शिवालिक श्रेणी का भाग है, मध्य में विशाल मैदान है तथा दक्षिण में प्रायद्वीपीय पठार की संकीर्ण पट्टी पायी जाती है। स्पष्ट है कि इन विभिन्न प्राकृतिक प्रदेशों का निर्माण अलग-अलग समय में हुआ है तथा इनके निर्माण में विभिन्न चट्टानों का योगदान है। इसलिए इन तीनों प्रदेश के धरातलीय रूप में काफी भिन्नता पायी जाती है। तीनों प्राकृतिक प्रदेशों की विस्तृत चर्चा आगे की जा रही है —

• शिवालिक पर्वत श्रेणी का भाग —

शिवालिक श्रेणी का कुछ भाग बिहार के उत्तर पश्चिम भाग में एक छोटे से क्षेत्रफल में फैला है। यह बिहार के पश्चिमी चंपारण के उत्तरी भाग में स्थित है। यह एक छोटी सी पर्वतीय पेटी है, जिसका कुल क्षेत्रफल 932 वर्ग km. के लगभग है। यह पर्वतीय भाग बिहार के मैदान से 160 मी० की समोच्च रेखा से अलग होता है। इसकी ऊँचाई 250 मी० से 850 मी० के बीच है। इसे तीन उपविभागों में विभाजित किया जा सकता है।

• **क. सोमेश्वर श्रेणी** — यह बिहार की सबसे ऊपरी श्रेणी है, जो बिहार-नेपाल सीमा के समानान्तर फैली है। इसकी लम्बाई 75 km. है और बिहार में इसकी चौड़ाई 5-6 km तक है। पश्चिम के त्रिवेणी नहर से लेकर पूर्व में भिखना-ठोरी दर्रे तक इसका विस्तार है। ऊँचाई दक्षिण से उत्तर की ओर बढ़ती जाती है। औसत ऊँचाई 457 मी. है। इसकी सर्वोच्च चोटी 874 मी. ऊँची है, जिसपर सोमेश्वर किला स्थित है। नदी-अपरदन से अनेक दर्रों का निर्माण हुआ है, जैसे - सोमेश्वर दर्रा, भिखनाठोरी दर्रा, मरवाह दर्रा। ये दर्रे भारत-नेपाल के बीच संपर्क मार्ग प्रदान करते हैं।

• ख• रामनगर दून – बिहार में शिवालिक का दक्षिणी भाग छोटी-छोटी पहाड़ियों के क्रम से बना है, जो रामनगर दून के नाम से जाना जाता है। यह मात्र 214 वर्ग km में फैला है। ऊँचाई अपेक्षाकृत कम है, लम्बाई 32 k.m तथा चौड़ाई 8 K.M है। सर्वोच्च भाग सतपुर के निकट है, जिसकी ऊँचाई 242 मी. है।

• ग • हरहा घाटी / दून घाटी – सोमेश्वर श्रेणी एवं रामनगर दून के बीच की घाटी हरहा या दून घाटी कहलाती है। इसमें हरहा नदी बहती है। यह घाटी मात्र 24 km लम्बी है। इसका अधिकांश भाग समुद्रतल से 152 मी० ऊँचा है।

Scanned with CamScanner